गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे बनेगा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

AI Image

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : मेरठ से प्रयागराज तक बन रहा गंगा एक्सप्रेस-वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वी उत्तर प्रदेश की दूरी तो कम करेगा ही साथ ही यह युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी मुहैया करवाएगा। एक्सप्रेस-वे के किनारे शाहजहांपुर के जलालाबाद में एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी बनाया जाएगा। इस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए यूपीडा ने 100 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। उद्यमियों का मानना है कि इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। इंडस्ट्रियल एरिया की कनेक्टिविटी की वजह से किसी भी इंडस्ट्री का प्रॉडक्ट कुछ ही घंटों में दिल्ली, लखनऊ, कानपुर जैसे बड़े शहरों में पहुंच जाएगा।

100
हेक्टेअर जमीन का अधिग्रहण हो गया पूरा

टेक्सटाइल इंडस्ट्री लगे तो रुकेगा पलायन : शाहजहांपुर के कारोबारी और इंडियन इंडस्ट्रीज असोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक अग्रवाल बताते हैं कि इस पूरी बेल्ट में काठ, जलालाबाद, फर्रुखाबाद, शाहाबाद, पाली में टेक्सटाइल का काम करने वाले लोगों की बड़ी संख्या है। लाखों की संख्या में लोग देश के दूसरे हिस्सों में जाकर टेक्सटाइल का काम करते हैं। इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अगर टेक्सटाइल इंडस्ट्री लगती है तो इससे स्थानीय लोगों का पलायन रुकेगा और क्षेत्र का आर्थिक विकास भी होगा। करीब के जिले फर्रुखाबाद में टेक्सटाइल प्रिंटिंग का काम होता है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री लगने से इस क्षेत्र के लोगों को भी फायदा मिलेगा।

फूड प्रॉसेसिंग इंडस्ट्री के लिए भी संभावनाएं

शाहजहांपुर और उसके आसपास के इलाके मसलन फर्रुखाबाद, हरदोई में आलू की खेती अच्छी होती है। इसके अलावा गंगा के किनारे वाले क्षेत्रों में शक्करकंदी की फसल भी काफी अच्छी होती है। इन दोनों कृषि उत्पादों की फूड प्रॉसेसिंग इंडस्ट्री में खूब मांग है। ऐसे में उद्यमी मानते हैं कि अगर फूड प्रॉसेसिंग इंडस्ट्री इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में लगाई जाती है तो इससे आसपास के क्षेत्रों को फायदा होगा। विशेषकर किसानों को उनकी फसल की अच्छी कीमत मिलेगी।